शोध मंथन Vol. XII No.IV Oct.-Dec. 2021 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *http:/shodhmanthan.anubooks.com*

उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल और भारतीय जनता पार्टी का उद्भव एवं विकास

प्राप्तिः 17.11.2021
स्वीकृतः 28.12.2021

अनूप सिंह
शोध छात्र, भूगोल विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
ईमेलः *noopsingh10011992@gmail.com*

सारांश

राजनीतिक दल लोगों का एक ऐसा समूह है जो चुनाव लड़ने और राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से काम करता है, जिससे वह मतदाता के सामने अपने किये गये अपने वादों और उद्देश्य को पूरा कर सके। उत्तर प्रदेश भारत का सर्वाधिक लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा सीटों वाला राज्य है और उत्तर प्रदेश से होकर ही दिल्ली के शासन का रास्ता गुजरता है। इसलिए विभिन्न राजनीतिक दलों के केन्द्र बिन्दु में उत्तर प्रदेश सदैव रहा है। 2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने कुल 402 विधानसभा सीटों में से 312 विधानसभा सीटों पर अप्रत्याशित जीत दर्ज कर 1996 के बाद 2017 में पुनः चुनाव में प्रचण्ड बहुमत प्राप्त किया और गोरखपुर के सांसद योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण किया। प्रस्तुत शोध प्रपत्र का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दलों और भारतीय जनता पार्टी के उद्भव एवं विकास के बारे में अध्ययन करना है। उत्तर प्रदेश कें विधानसभा चुनावों में किसी एक राजनीतिक दल के शासन सत्ता लम्बे समय तक नहीं रहीं। अपितु यह परिवर्तित होती रही। उत्तर प्रदेश में विभिन्न जाति एवं समुदाय वर्ग के लोग रहते हैं, जिसके कारण यहां राष्ट्रीय पार्टियों के साथ साथ क्षेत्रीय पार्टियां भी महत्वपूर्ण है जो समुदाय विशेष से संबंध रखती है तथा निर्वाचन के समय बड़ी राजनीतिक पार्टियों के साथ गठबंधन कर शासन सत्ता में प्रतिभागी बनती है।

मुख्य बिन्दु

उद्भव, विकास, लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा, निर्वाचन, राजनीतिक दल।

प्रस्तावना

राजनीतिक दल समाज के सामूहिक हित को ध्यान में रखकर कुछ नीतियां और कार्यक्रम तय करता है, जिसमें सामूहिक हित एक परस्पर विवाद का विचार है जिसको लेकर सबकी अलग अलग राय होती है, और इसी आधार पर राजनीतिक दल लोगों को यह समझाने का प्रयत्न करते हैं कि उनकी नीतियां अन्य से बेहतर है। मतदाता का समर्थन प्राप्त कर निर्वाचित होने के पश्चात राजनीतिक दलों द्वारा नीतियों को लागू करने का प्रयास किया जाता है।

एडमंड वर्क के शब्दों में:– राजनीतिक दल व्यक्तियों का ऐसा समूह है जिसके सदस्य सामान्य सिद्धांत पर चलते हुये अपने सामूहिक प्रयत्नों द्वारा राष्ट्रीय हित का परिवर्तन करने के लिए एक सूत्र में बंधें होते हैं।

सारतोरी के अनुसार

वह कोई भी राजनीतिक समूह जो एक आधिकारिक नाम से पहचाना जाता है तथा चुनावी उम्मीदवारों के माध्यम से सार्वजनिक पदों को प्राप्त करने में सक्षम है। हित समूहों के विपरीत दल गम्भीरता से सरकार की कुंजी प्राप्त करने का लक्ष्य रखते हैं और शक्ति का प्रयोग करते हैं।

राजनीतिक दल किसी समाज के बुनियादी राजनीतिक विभाजन को दर्शातें है क्योंकि राजनीतिक दल समाज के किसी एक हिस्से से संबंधित होते हैं, इसलिए उनका नजरियां समाज के उस वर्ग/समुदाय विशेष के तरफ झुका होता है। राजनीतिक दल के सक्रिय सदस्य, स्थायी मतदाता तथा नेता मुख्य तत्व है जिनके आधार पर राजनीतिक पार्टियां चुनाव लड़ती है और उस दल विशेष का एक सामाजिक आधार भी होना चाहिए। राजनीतिक दल सफल लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त है जिसके द्वारा सरकार का निर्माण कर जनता के सामने रखी गयी नीतियों और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जाता है और विभिन्न प्रकार के लोक हितैषी कानूनों का निर्माण किया जाता है।

अध्ययन क्षेत्र

उ0प्र0 की भौगोलिक स्थिति अक्षांशीय रूप से 23° 25· N-31° 28. के मध्य तथा देशांतरीय रूप से 77° 3. E- 84° 39. के मध्य विस्तृत है। जिसका कुल भौगोलिक क्षेत्र 2, 43, 290 वर्ग किलोमीटर है। जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 7.3 % है। वर्तमान समय में उ0प्र0 में 18 मण्डल, 75 जिलें, 80 लोकसभा, 31 राज्यसभा, 100 विधान परिषद और 404 विधानसभा सीटें है। 2011 के जनगणना के अनुसार उ0प्र0 की कुल जनसंख्या 19,95,81,487 है, जो देश की कुल जनसंख्या 16.6% है। स्त्री–पुरूष लिंगानुपात 1000/933 हैं, जबकि साक्षरता दर 67.7% है तथा जनसंख्या घनत्व 829 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर है। उत्तर के विशाल मैदान में स्थित उ0प्र0 मानसूनी जलवायु वाला राज्य है जो गेहूं, धान, दलहन, तिलहन, गन्ना के उत्पादन में अग्रणी है।

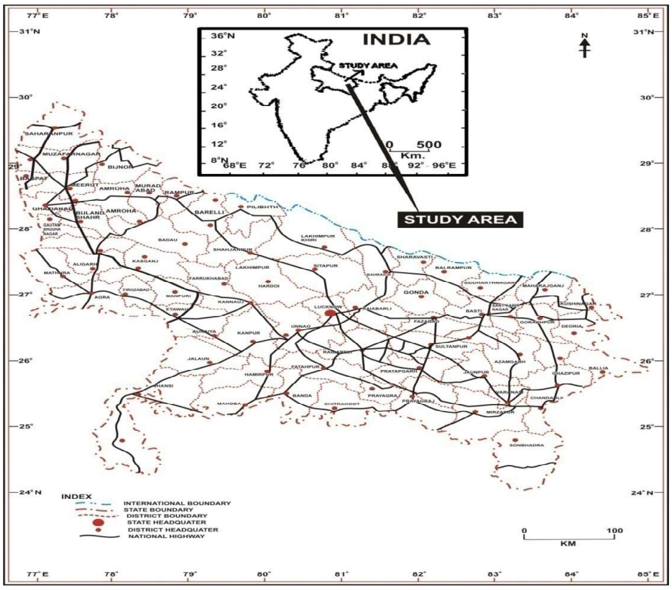

शोध प्रपत्र का उद्देश्य

1. उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दलों के उद्भव और विकास का अध्ययन।

2. भारतीय जनता पार्टी विकास के चरणों का अध्ययन।

3. उत्तर प्रदेश के विभिन्न विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्राप्त विधानसभा सीटों का अध्ययन।

आंकड़ों के स्रोत

प्रस्तुत अध्ययन में द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। जिसमें राज्य निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन आयोग के आंकड़ों, भारतीय जनता पार्टी एवं अन्य राजनीतिक दलों से संबंधित आंकड़ों का संकलन और अन्य साधनों का प्रयोग किया गया है।

विधि तंत्र

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में भारतीय जनता पार्टी एवं अन्य राजनीतिक दलों के उद्भव एवं विकास का अध्ययन किया गया है जिसमें राजनीतिक दलों के विधानसभा सीटों में होने वाले परिवर्तन को दर्शाने के लिए सांख्यिकीय विधि की गणना की गयी है और मानचित्रण में विभिन्न विधियों का प्रयोग किया गया है।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख राजनैतिक दल

जिस प्रकार भारत एक बहुदलीय व्यवस्था पर आधारित देश है, उसी प्रकार उत्तर प्रदेश भी बहुदलीय व्यवस्था वाला राज्य है। यहां 5 राष्ट्रीय दल तथा 3 क्षेत्रीय दल हैं।

राष्ट्रीय दल तथा उनकी स्थापना वर्ष

1. कांग्रेस (आईआईएनसी)–1885
2. कम्युनिष्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई)–1925
3. भारत की साम्यवादी पार्टी (मार्क्सवादी) सीपीआई (एम)–1964
4. भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) –1980

5 बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी)–1984

क्षेत्रीय पार्टियाँ

1. समाजवादी पार्टी (एसपी)–1992
2. राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी)–1998
3. आदर्शवादी कांग्रेस पार्टी–2012

वर्ष 1989 के चुनाव के बाद से उत्तर प्रदेश की राजनीति तीन शक्ति समूहों में केन्द्रित हो गयी–

बहुजन समाज पार्टी

माननीय काशीराम के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी का गठन हुआ जिसमें दलित आदिवासी, पिछड़ी जातीया और धार्मिक अल्पसंख्यक शामिल है के लिए राजनितिक सत्ता पाने का प्रयास और उनको राजनितिक प्रतिनिधित्व प्रदान करने किया गया। बहुजन समाज पार्टी साहू जी महराज, ज्योतिबा राव फुले, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के विचारो और शिक्षाओ से प्रेरणा लेती है। बहुजन समाज पार्टी का मुख्य आधार उत्तर प्रदेश में है इस के अतिरिक्त मध्य प्रदेश, पंजाब, दिल्ली,

उत्तराखण्ड में भी पार्टी की मजबूत पकड़ है। बहुजन समाज पार्टी ने विभिन्न विधान सभा चुनाव में अलग–अलग पार्टियो से गठबन्धन कर उत्तर प्रदेश में चार बार अपनी सरकार बनायी है। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को सीटें मिलीं।

समाजवादी पार्टी

राममनोहर लोहिया के आदर्शो में विश्वास रखने वाले समाजवादी पार्टी का गठन 4 अक्टूबर 1992 गाँव की सस्कृति को बचाने, आर्थिक आत्मनिर्भरता, भ्रष्टाचार समाप्ती, उत्पीड़न तथा बेकारी के आतंक से जनता को मुक्त कराने के लिये मुलायम सिंह यादव द्वारा किया गया। समाजवादी पार्टी गरीबों, किसानो, मजदूरों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों की पार्टी है। उत्तर प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री अखिलेश यादव वर्तमान में इस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को सीटें मिली ।

भारतीय जनता पार्टी का उद्भव विकास

6 अप्रैल 1980 को अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत करने वाली भारतीय जनता पार्टी के 41 वर्ष पूरे हो गये जिसका आधार 27 सितम्बर 1925 को विजयदशमी के दिन डॉ0 केशवराव बलिराम हेडगेवर द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ है जिससे भारतीय जनसंघ के रूप में एक नयी कोपल 21 अक्टूबर 1951 को फूटी। भारतीय जनसंघ की स्थापना डा0 श्याम प्रसाद मुखर्जी ने किया जो स्वैच्छिक रूप से हिन्दूवादी राष्ट्रवादी संगठन है जिसका उद्देश्य भारत की हिन्दू सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित करना, श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या में राम मन्दिर निर्माण और तुष्टीकरण की नीति को रोकना था। जनसंघ के पहले अध्यक्ष डॉ0 श्याम प्रसाद मुखर्जी उसके पश्चात पं0 दीनदयाल उपाध्याय और अगली पीढ़ी के नेता अटल बिहारी बाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी अध्यक्ष बनें।

भारतीय जनता पार्टी का गठन जनसंघ के पदचिन्हों को आधार मानकर 6 अपैल 1980 को किया गया जिसके प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी बाजपेयी थे जिनके नेतृत्व मे 1984 के 8वीं लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी मात्र 2 सीटें जीतने में सफल रहीं। 1989 के 9वीं लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 85 सीटें प्राप्त कर नेशनल फ्रंट के साथ मिलकर विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में सरकार बनायी परन्तु सितम्बर 1990 में लाल कृष्ण आडवाणी गिरफ्तार कर जेल में डाल दिये जाने के कारण भारतीय जनता पार्टी ने इसका विरोध करते हुये विश्वनाथ प्रताप सिह सरकार से समर्थन वापस ले लिया जिससे लोकसभा भंग हो गयी। 1991 के 10वीं लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 120 सीटों पर विजय प्राप्त हुई। 1996 के 11वीं लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 161 सीटों पर विजय प्राप्त हुई तथा भारतीय जनता पार्टी ने सरकार बनाने का दावा पेश किया और अटल बिहारी बाजपेयी को प्रधानमंत्री बनाया गया परन्तु भारतीय जनता पार्टी 13 दिन बाद बहुमत सिद्ध करने में असफल रही और 11वीं लोकसभा भंग हो गयी। 1998 के 12वीं लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगियों के साथ चुनाव में राजग के नाम से उतरी और 182 सीटो पर विजय प्राप्त कर पूर्ण बहुमत प्राप्त किया और अटल बिहारी बाजपेयी पुनः प्रधानमंत्री बने परन्तु अन्नाद्रमुक नेता जयललिता ने राजग से समर्थन वापस ले लिया जिससे सत्ता भंग हो गयी। 1999 के 13वी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राजग ने 303 सीटों पर विजय प्राप्त कर पूर्ण बहुमत प्राप्त किया और अटल बिहारी बाजपेयी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। अटल बिहारी

बाजपेयी जी ने 2004 के 14वी लोकसभा चुनाव अभियान की शुरूआत राइजिंग इंडिया (भारत उदय) के नारे के साथ प्रारम्भ किया जिसमें राजग को 186 सीटे ही प्राप्त हुई और उसे चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। 2009 के 15 वीं लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में PM In waiting नारे के साथ मैंदान में उतरी परन्तु पुनः उसे चुनाव में हार का सामना करना पड़ा और पार्टी की क्षमता घट गयी तथा उसे मात्र 166 सीटो पर ही विजय मिली। 2014 के 16वीं लोकसभा चुनाव में राजग ने गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जिसमें उसे 336 सीटो परं तथा भारतीय जनता पार्टी को 282 सीटों पर विजय मिली ओर उसने पूर्ण बहुमत प्राप्त किया जो 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के 400 से अधिक सीटों पर जीत कर पूर्ण बहुमत प्राप्त करने के पश्चात पहली बार 2014 में किसी पार्टी को बहुमत मिला और भारतीय जनता पार्टी संसदीय दल के नेता के रूप में नरेन्द्र दामोदर दास मोदी को 26 मई 2014 को भारत के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण किया। सन 2019 के 17वीं लोकसभा चुनाव में राजग ने कुल 353 सीटों पर तथा भारतीय जनता पार्टी ने 303 सीटों पर विजय प्राप्त कर पूर्ण बहुमत प्राप्त किया और नरेन्द्र दामोदर दास मोदी पुनः देश के प्रधानमंत्री बनें।

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन

भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश की 9वीं विधानसभा चुनाव 1985 में 16, 10वीं विधानसभा चुनाव 1989 में 57, 11वीं विधानसभा चुनाव 1991 में 221, 12वीं विधानसभा 1993 में 177, 13वीं विधानसभा 1996 में 174, 14वीं विधानसभा 2002 में 85, 15वीं विधानसभा चुनाव 2007 में 51, 16वीं विधान सभा चुनाव 2012 में 47, 17 वीं विधान सभा चुनाव 2017 में सहयोगियों के साथ 325 सीटो पर विजय प्राप्त कर पूर्ण बहुत प्राप्त किया जिसमें भारतीय जनता पार्टी को 312 सीटे और 39. 7 प्रतिशत मत प्राप्त हुये और वह पूर्ण बहुमत प्राप्त कर उत्तर प्रदेश विधान सभा की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में 14 साल बाद वापस आयी जिसमें विधान दल के नेता के रूप में गोरखपुर से सांसद योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया।

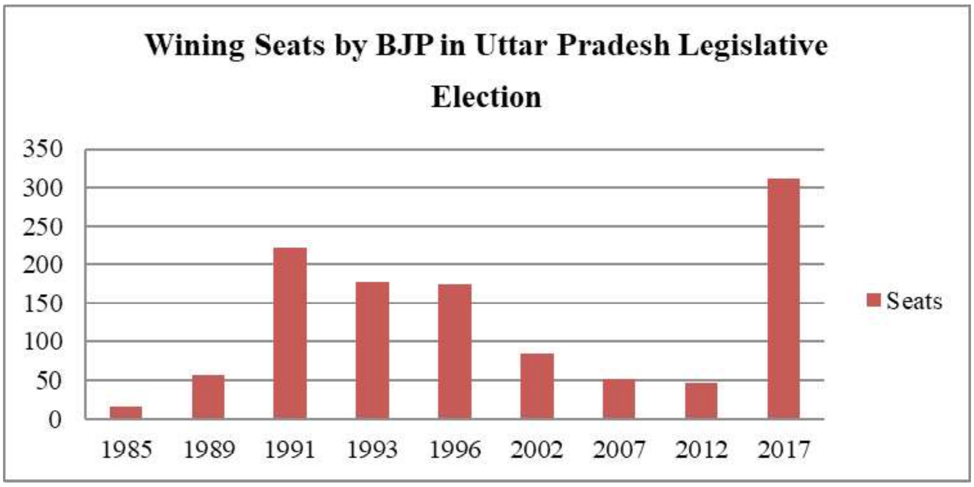

Source: Election Commission

संदर्भ सूची

1. राय, गांधी जी, भारतीय शासन प्रणाली, पटना, 1993, पृ0–473
2. एम0पी0 मुंशी के0, जैन, 'भारत में दलीय व्यवस्था, जयपुर, 1990, पृ0 386
3. भाउराव देवरस एवं डॉ0 शिव कुमार अस्थाना, एकात्मकता के पुजारी, दीनदयाल उपाध्याय, लखनऊ, 1994, पृ0 19–20।
4. आहुजा, गुरूदास, 'भारतीय राजनीति और भाजपा का आगमन,' राम कंपनी, नई दिल्ली–17, पृ0 19–23।
5. रंजन, राजीव, चुनाव लोकसभा और राजनीति, ज्ञान गंगा दिल्ली, पृ0 209–210
6. श्रीराम सिंह, अंशुमान यादव ''श्री मुलायम सिह एक राजनीतिक जीवन''
7. आर0के0सिंह– कांशीराम और बीएसपी, पृ0–10, कुशवाहा बुक डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद 1996